प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर – 331 403

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

स्मृति सभा का दूसरा दिन
आचार्य महाप्रज्ञ के अधूरे कार्यों को पूरा करें – आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 12 मई।

आचार्य महाश्रमण ने अपने गुरु आचार्य महाप्रज्ञ के अधूरे कार्यों को पूरा करने में शक्ति नियोजित करने को सच्ची श्रद्धांजली बताया। उन्होंने श्रीसमवसरण में आयोजित स्मृति सभा के दूसरे दिन कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ को सच्ची श्रद्धांजली तभी होगी जब हम उनके इच्छित एवं अधूरे कार्यों को पूरा करने में अपने आपको नियोजित करेंगे। अपनी मनोव्यथा को कम करने के लिए इस चिंतन का प्रयोग करें कि मुझे आचार्य प्रवर के द्वारा सौंपे गये कार्यों को पूरा करना है।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि मुनि का कर्त्तव्य है समता का उपदेश देना। उपदेश देना सरल है पर कठिन परिस्थितियों में समता रखना कठिन है। तेरापंथ धर्मसंघ के सामने कठिन स्थितियां है। जहां गुरु शिष्य का आत्मिय संबध होता है वहां समता न रख पाना कोई बड़ी बात नहीं है। गुरु के विरह को सहना बड़ा कठिन होता है। भगवान महावीर के निर्माण होने पर गणधर गौतम भी विचलित हो गये थे। उन्होंने कहा कि जितनी समता की साधना बढेगी उतनी ही वीतरागता नजदीक आयेगी।

आचार्य महाप्रज्ञ के पास बचपन से रहने वाले एवं सरदारशहर में प्रवासित मुनियों में ज्येष्ठ मुनि सुमेरमल सुदर्शन ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञजी की कृपा नहीं होती तो मैं जीवन में आने वाले संघर्षों में कहां खो जाता कुछ पता नहीं। उन्होंने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने तेरापंथ के सभी आचार्यों के कीर्तिमानों को लांघ दिया है। आगम मनीषी मुनि महेन्द्र कुमार ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ अमर थे, अमर हैं और अमर रहेंगे।

जीवन विज्ञान प्रभारी मुनि किशनलाल ने भी अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। मुनि कुमार श्रमण ने सम्पूर्ण देश–विदेश के प्रतिष्ठित महानुभावों की मिली संवेदनाओं का पठन किया। आचार्य महाप्रज्ञ के संसार पक्षीय पड़पोते मुनि योगेश कुमार, मुनि जितेन्द्र कुमार, बाल मुनि मृदुकुमार, साध्वी जिनप्रभा, साध्वी पीयुषप्रभा, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा, समणी नियोजिका समणी मधुरप्रज्ञा, समणी प्रतिभा प्रज्ञा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चैनरूप चिण्डालिया आदि ने अपनी भावांजलियां प्रस्तुत की। समणीवृंद ने महाप्रज्ञ अष्टकम् के द्वारा मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

जीवन विज्ञान सघन प्रशिक्षण शिविर यथावत

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में जीवन विज्ञान सघन प्रशिक्षण 18 से 31 मई तक आयोजित किया जायेगा। जीवन विज्ञान अकादमी जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित इस शिविर को यथावत रखा गया है। शिविर निदेशक मुनि किशनलाल ने बताया कि इस शिविर में देशभर से शिक्षक भाग लेंगे। उन शिक्षकों को जीवन विज्ञान के सन्दर्भ में गहराई से जानकारी देने के साथ सघन प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। ज्ञातव्य है कि जीवन विज्ञान रूपी अनुपम अवधान आचार्य महाप्रज्ञ के द्वारा शिक्षा जगत के उद्धार हेतु प्रदान किया हुआ है।

शीतल बरड़िया

(मीडिया संयोजक)